उपभोक्ता परेशान, फिटनेस-परमिट कार्य प्रभावित

होटल से चल रहा परिवहन कार्यालय

शहडोल। जिला परिवहन कार्यालय इन दिनों तीखी आलोचनाओं में है, क्योंकि आरोप हैं कि जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती अनपा खान पिछले 6 महीनों से नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित नहीं रहतीं और इसके बजाय होटल अमन पैलेस से ही पूरा शासकीय कार्य संचालित कर रही हैं। होटल के कमरों पर हर महीने डेढ़ से दो लाख रुपये तक का भारी किराया बताया जा रहा है, जिससे व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

होटल में ऑफिस, भारी किराया चर्चा में

जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती अनपा खान की नियमित अनुपस्थिति और होटल अमन पैलेस से कार्यालय संचालन की चर्चा ने पूरे जिले में हलचल मचा दी है। कहा जा रहा है कि अधिकारी सप्ताह में दो से तीन दिन ही शहडोल में दिखाई देती हैं, जबकि शेष दिनों में भोपाल या अन्य स्थानों पर सरकारी कार्य का हवाला देकर अनुपस्थित रहती हैं। इसी दौरान होटल के दो वातानुकूलित कमरों और एक हाल में अस्थायी कार्यालय बनाए जाने की बात सामने आई है। इसमें एक कमरे का उपयोग अधिकारी के निवास की तरह और दूसरे में कर्मचारियों द्वारा कम्प्यूटर व लैपटॉप लगाकर सरकारी फाइल निपटाने जैसी गतिविधियां जारी रहती हैं। अमन पैलेस के इन कमरों का किराया 2500 से 3000 रुपये प्रतिदिन बताया जाता है, जिसे जोडऩे पर हर महीने डेढ़ से दो लाख रुपये तक का खर्च बैठता है, यह राशि अधिकारी के 60 से 80 हजार रुपये मासिक वेतन से भी कहीं अधिक है। चर्चा यह भी है कि वास्तविक किराए की तुलना में रिकॉर्ड में अधिक राशि दर्शाई जा रही है, जिससे कर चोरी और जीएसटी अनियमितताओं के आरोप भी तैर रहे हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना नहीं

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला परिवहन अधिकारी ने होटल से कार्यालय संचालन या लंबे समय तक मुख्यालय से अनुपस्थित रहने की कोई अनुमति वरिष्ठ अधिकारियों से ली है। बताया जाता है कि ऐसा कोई साक्ष्य अब तक सामने नहीं आया है। शासन द्वारा डिजिटल उपस्थिति जैसे थंब मशीन, फेस मास्क पहचान और लोकेशन बेस्ड हाजिरी को अनिवार्य किया गया है, परंतु शहडोल की स्थिति इसके बिल्कुल

हारभूम
अमन पैलेस बना आरटीओ का दफ्त

विपरीत दिख रही है। वाहन फिटनेस से लेकर परमिट, रिन्यूअल और पंजीयन जैसे अधिकांश कार्यों के लिए अधिकारी की भौतिक उपस्थिति आवश्यक होती है। ऐसे में यह बड़ा प्रश्न है कि डिजिटल हस्ताक्षर कौन कर रहा है, कौन अधिकृत है और क्या यह पूरा प्रोसेस नियमों के अनुरूप है। इसी कारण उपभोक्ता कार्यालय और होटल के बीच चक्कर काट-काटकर परेशान हो रहे हैं और कार्य समय पर नहीं हो पा रहे।

कर्मचारियों पर बढ़ा दबाव

शहर में यह चर्चा आम है कि जिला परिवहन कार्यालय पुराने ढर्रे पर लौट आया है, जहां छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी उपभोक्ताओं को कई बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। फिटनेस के लिए लाई गई गाडिय़ां दो-दो दिन तक खड़ी रहती हैं, क्योंकि अधिकारी उपलब्ध नहीं होती। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि शासन की पारदर्शिता और समयबद्ध कार्य संस्कृति की योजनाएँ ऐसी व्यवस्थाओं से प्रभावित हो रही हैं।

नियम विरुद्ध कार्यप्रणाली?

होटल से शासकीय कार्यालय चलाना अपने आप में गंभीर सवाल खड़ा करता है। सरकारी नियम स्पष्ट रूप से निर्धारित भवन, कार्यालय परिसरों और राजपत्रित स्थानों से ही शासकीय कामकाज चलाने की अनुमति देते हैं। यदि बिना अनुमति निजी होटल से सरकारी कार्यालय संचालित किया जा रहा है, तो यह विभागीय नियमों के प्रतिकूल माना जा सकता है। हालाकि अधिकारी श्रीमती अनपा खान की ओर से अब तक इस पूरे प्रकरण पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन बढ़ती चर्चा और सवालों की संख्या से यह मामला प्रशासनिक हलकों में गंभीरता से देखा जा रहा है।

बंटी के सुसाइड नोट मामले में 2 गिरफ्तार

धनपुरी। थाना क्षेत्र में हुई एक आत्महत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित और कठोर कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला सिर्फ आत्महत्या का नहीं, बल्कि गंभीर मानसिक प्रताडना और आत्महत्या दुष्प्रेरण का है, जिसने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। 8 अप्रैल 2025 को वार्ड क्रमांक 18 निवासी अजय कुमार सिंह उर्फ बंटी द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद धनपुरी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस को मृतक द्वारा छोड़ा गया सुसाइड नोट, महत्वपूर्ण दस्तावेज और गवाहों के विस्तृत कथन प्राप्त हुए। इन तथ्यों के गहन परीक्षण में यह खुलासा हुआ कि मृतक अजय कुमार सिंह और आरोपीगणों के बीच रुपयों के बड़े लेनदेन को लेकर लगातार विवाद चल रहा था।

पुलिस की जांच में सामने आया कि

आरोपीगण लगातार मृतक पर मानसिक दबाव बना रहे थे और उसे प्रताड़ित कर रहे थे। इस गंभीर प्रताडना के चलते अजय सिंह उर्फ बंटी गहरे तनाव और ग्लानि में चले गए, जिसके परिणाम स्वरूप उन्होंने आत्मघाती कदम उठा लिया। इस जघन्य कृत्य को देखते हुए, धनपुरी पुलिस ने त्वरित एक्शन लेते हुए आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 108/3(5) बीएनएस (आत्महत्या दुष्प्रेरण) के तहत गंभीर अपराध दर्ज किया।

थाना प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में गठित टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों कुलदीप सिंह उर्फ बंटी विश्वकर्मा और मुकेश उर्फ सोनू विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रकरण में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार सघन प्रयास किए जा रहे हैं।

नशे में ड्राइविंग और नियम उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई

शहडोल। जिले में यातायात अनुशासन कड़ा करने और सडक़ सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शहडोल पुलिस तथा यातायात विभाग ने 26 व 27 नवंबर 2025 को शहर के प्रमुख मार्गों पर देर रात तक विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने वाहन चालकों के दस्तावेजों की व्यापक जांच की, जिसमें ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीयन प्रमाणपत्र, बीमा, फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र शामिल थे। चेकिंग के दौरान नशे में वाहन चलाते पाए गए चालकों पर सख्त कार्रवाई की गई। अवैध ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर चालान काटकर मौके पर फिल्म हटवाई गई। वहीं अतिरिक्त या अनाधिकृत लाइट, हाई बीम, प्रेशर हॉर्न और फ्लैशर लगाए जाने पर भी पुलिस ने नियमों के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की।अभियान में कुल 31 लोगों पर हेलमेट न पहनने के लिए 9,300 का चालान किया गया। शराब सेवन कर वाहन चलाने के एक मामले में चालक को सीधे न्यायालय में पेश किया गया। इसके अलावा अवैध नंबर प्लेट के 3 मामलों में 1,500 तथा वन-वे नियम उल्लंघन के 2 मामलों में 1,000 का चालान लगाया गया। पुलिस ने साफ कहा है कि यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि सडक़ सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अधिवक्ताओं को याद दिलाई संवैधानिक जिम्मेदारी

उत्कृष्ट कार्य पर अधिवक्ताओं का सम्मान, न्यायिक मूल्यों के पालन का आह्वान

शहडोल। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान एक जीवंत दस्तावेज विषय पर केंद्रित संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायपालिका और अधिवक्ता समुदाय की गरिमामय उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपाली शर्मा, विशेष न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश शिवभूषण शर्मा, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कोल, प्रथम जिला न्यायाधीश के.पी. सिंह, सीजेएम राजेंद्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेंद्र सिंह मंडावी, दीप्ति चौहान, अदिति कुमार शर्मा, प्रीति सिंह बघेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी देवेंद्र सिंह तथा जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश सिंह बघेल मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों का स्वागत कर सभी ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस दौरान न्यायाधीशों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने संविधान की महत्ता, इसके मूल्यों और मौलिक सिद्धांतों पर प्रकाश डाला।

प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपाली शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि न्याय का अधिकार और नैसर्गिक न्याय का सिद्धांत संविधान की देन है, जिसे न्याय व्यवस्था में सार्थक रूप से लागू करना अधिवक्ताओं की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना संविधान की मूल भावना है और न्यायिक तंत्र को इस दिशा में सतत प्रयास करते रहना चाहिए।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश सिंह बघेल ने कहा कि समता, न्याय, समानता और बंधुत्व की अवधारणाएं केवल संविधान के शब्द नहीं, बल्कि नागरिक जीवन का अनिवार्य आधार हैं। उन्होंने अधिवक्ताओं से आग्रह किया कि वे पक्षकारों की न्यायिक जरूरतों को समझते हुए संवैधानिक सिद्धांतों का पालन करें।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए। अधिवक्ता प्रवीण सराफ ने संविधान दिवस को राष्ट्रीय पर्व की तरह मनाने की आवश्यकता बताई, जबकि महेंद्र सराफ ने कहा कि संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है। वरिष्ठ अधिवक्ता अजय नामदेव ने बताया कि भारतीय संविधान विश्व के अनेक देशों के सर्वोत्तम संवैधानिक सिद्धांतों का समन्वय है, जो इसे मजबूत और प्रभावी बनाता है। रामकुमार नापित ने कहा कि संविधान का सर्वोच्च स्थान लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है।

कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता सुमित शर्मा ने किया। इस अवसर पर न्यायिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनेक अधिवक्ताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित अधिवक्ताओं में रमेश त्रिपाठी, अमरेश श्रीवास्तव, शरद उदानिया, रामकुमार नापित, मनोज सोनी, सतीश पाठक, अजय नामदेव, संतोष जाटव सहित कई वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ता शामिल रहे।

आभार प्रदर्शन जिला अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष सतीश पाठक ने किया। कार्यक्रम में सचिव अनिल कुमार तिवारी, सहसचिव राकेश गोले, कोषाध्यक्ष गगन वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य और बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

शिवानी पैरामेडिकल के बीएससी नर्सिंग छात्रों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

शहडोल। शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज, शहडोल के बीएससी नर्सिंग सत्र 2023 बैच के प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम मध्य प्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी, जबलपुर ने बुधवार को जारी किया। परिणामों में कॉलेज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 59 में से 58 विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने का रिकॉर्ड दर्ज किया। सभी सफल विद्यार्थियों के अंक 60 प्रतिशत से ऊपर रहे, जो संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण माना जा रहा है। घोषित परिणाम के अनुसार महक बी ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ बैच में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अनुसुइया राठौर 79 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं। तीसरा स्थान 77.6 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली छात्राओं मुस्कान कुशवाहा और रोशनी केवट ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। उत्कृष्ट परिणाम से उत्साहित संस्थान के संचालक डॉ. डी. के. द्विवेदी ने छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा क्लास टीचर प्रीति विश्वकर्मा सहित समस्त शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने इसे कॉलेज की समर्पित शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम बताया।इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य मंगला श्रीवास, प्रोफेसर निष्ठा सिंह, प्राध्यापक सुनील प्रजापति, उजमा कुरैशी, खुशबू सोनी, अनुराधा सोनी, उमा वर्मा, रमा सिंह, नैना सिंह, दीपांजली सिंह, काजल पाल, सीता सिंह, पूजा सिंह तथा क्लास टीचर प्रीति विश्वकर्मा सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

बच्चों को गुड टच-बैड टच, साइबर सुरक्षा और आत्मरक्षा के गुर बताए

शहडोल। जिले में संचालित मुस्कान अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल बिरुहली थाना बुढ़ार और शासकीय हाई स्कूल सिंहपुर थाना सिंहपुर में छात्र-छात्राओं को सुरक्षा, जागरूकता और ऑनलाइन सतर्कता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। अभियान का उद्देश्य बच्चों को वास्तविक खतरों की पहचान कराना और उन्हें आत्मरक्षा के लिए सक्षम बनाना है। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बच्चों को गुड टच-बैड टच की स्पष्ट समझ देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार का अनुचित स्पर्श, धमकाना, बहलाना-फुसलाना या गोपनीयता बनाए रखने का दबाव अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसी स्थिति में बच्चों को तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षकों या नजदीकी पुलिस अधिकारी से संपर्क करने की सलाह दी गई। साइबर अपराधों से बचाव पर विशेष जोर देते हुए विद्यार्थियों को समझाया गया कि अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन चैट न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी भी प्लेटफॉर्म पर साझा न करें। साथ ही किसी भी तरह की ऑनलाइन गड़बड़ी या संदिग्ध गतिविधि तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर रिपोर्ट करने की अपील की गई। अभियान को उप-निरीक्षक शिवाली चतुर्वेदी (महिला प्रकोष्ठ), थाना प्रभारी निरीक्षक रामकुमार गायकवाल तथा उप-निरीक्षक वर्षा बैगा की उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर सुरक्षा विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

सायबर अपराध से बच्चों को किया गया जागरूक

शहडोल। मुस्कान अभियान के अंतर्गत बच्चों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शासकीय हाई स्कूल बिलटिकुरी चौकी दर्शिला, थाना जैतपुर तथा शासकीय हाई स्कूल निपनिया थाना पपौंध में संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को गुड टच-बैड टच, महिलाओं से जुड़े अपराध, साइबर अपराधों से बचाव एवं व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बच्चों को समझाया कि किसी भी प्रकार का अनुचित स्पर्श, धमकाना, लालच देना या गोपनीयता बनाए रखने का दबाव गंभीर संकेत हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षक या नजदीकी पुलिस अधिकारी से संपर्क करना चाहिए। साइबर सुरक्षा पर जोर देते हुए बताया गया कि सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों से बातचीत करना, संदिग्ध लिंक खोलना, अपनी निजी जानकारी साझा करना अत्यंत जोखिमपूर्ण हो सकता है। किसी भी ऑनलाइन संदेहास्पद गतिविधि की सूचना तुरंत 1098 या नजदीकी थाने को देने की सलाह दी गई।

बच्चों को यह भी बताया गया कि जागरूकता ही शोषण, धोखाधड़ी और साइबर जालसाजी से बचने का सबसे प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सुरक्षा से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने सरल शब्दों में समाधान दिया। इस अवसर पर एसडीओपी ब्यौहारी मुकेश अबिद्रा, थाना पपौंध प्रभारी ब्रजेंद्र मिश्रा तथा चौकी दर्शिला प्रभारी राजकुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और विद्यार्थियों को सतर्क रहने एवं किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

सडक़ दुर्घटना में पुलिसकर्मी परिवार सहित गंभीर रूप से घायल

शहडोल। सीधी रोड पर मंगलवार दोपहर एक भीषण सडक़ दुर्घटना में कोतमा निवासी और पुलिस विभाग में पदस्थ सुनील मिश्रा अपनी पत्नी और बेटी सहित गंभीर हादसे का शिकार हो गए। परिवार सीधी से कोतमा लौट रहा था कि रोहनिया के समीप तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उनकी कार एमपी 65 सी 2766 को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सडक़ किनारे कई मीटर तक घिसटती चली गई और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।हादसे में सुनील मिश्रा उम्र 38 वर्ष को गंभीर चोटें आईं, जबकि उनकी पत्नी अंजली मिश्रा उम्र 35 वर्ष और बेटी मुस्कान मिश्रा उम्र 16 वर्ष भी घायल हुईं। घटना के तुरंत बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त कार को तोडक़र बड़ी मशक्कत से घायलों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार सुनील मिश्रा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जबकि परिजनों की हालत स्थिर है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के वक्त सडक़ पर तेज रफ्तार वाहनों की भरमार थी। सामने से आए ट्रक ने नियंत्रण खोते हुए पुलिसकर्मी की कार को जोरदार टक्कर पहुंचाई और चालक घटना स्थल से फरार हो गया। ट्रक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और हाइवे पर लगे कैमरों व सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी चालक की तलाश तेज कर दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रोहनिया क्षेत्र में लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन यातायात नियंत्रण, गति सीमा पालन और पुलिस गश्त को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। बढ़ते सडक़ हादसों से नागरिकों में भारी आक्रोश है और लोगों ने प्रशासन से तत्काल सख्त निगरानी तथा स्पीड कंट्रोल व्यवस्था लागू करने की मांग की है। उधर पुलिस विभाग में भी घटना को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल पुलिसकर्मी की स्थिति जानी और परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने का भरोसा दिया। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की छानबीन जारी है तथा घायलों का उपचार किया जा रहा है।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 149. विजय कुमार डोंगरे पिता\पति स्व. सेवक राम डोंगरे पता - प्रेम नगर लोधी पारा गुढ़ियारी रायपुर, 150. केशव देवांगन पिता\पति हेमलाल देवांगन पता - बीरगांव वार्ड क्र. 26, 151. गौरव साहू पिता\पति मनी साहू पता - सुदामा नगर टिकरापारा रायपुर, 152. ज्योत्सना चौकीदार पिता\पति स्व. सेवक राम डोंगरे पता - पहाड़ी पारा गुदियारी रायपुर, 153. मनीष साय पिता\पति मोहन साय पता - आर.डी. ए छोटी कॉलोनी टिकरापारा, 154. खूबचंद साहू पिता\पति दीनदयाल साहू पता - भनपुरी रायपुर, 155. अनीता ध्रुवंशी पिता\पति स्व. लक्ष्मी सिंह ध्रुवंशी पता - राधास्वामी नगर रायपुर , 156. संस्कार सोनकर पिता\पति स्व. दीपक सोनकर पता- ब्रम्हदेव कॉलोनी भाटागाँव रायपुर, 157. टिकेश्वर साहू पिता\पति जय प्रकाश साहू पता - बोरिया कला, 158. अनीता पटेल पिता\पति देवसिंह पटेल पता - ग्राम पोस्ट टेकारी (कुंडा), 159. हरीश कुमार साहू पिता\पति नारायण साहू पता-परसदा जोशी, 160. अभिषेक साहू पिता\पति द्वारिका प्रसाद साहू पता-शंकर नगर कोष्टा पारा वार्ड 25, 161. डागेश मंडावी पिता\पति चंद्रहास मंडावी पता-सेहरा डबरी वार्ड 08 कॉलोनी, 162. पुर्वाशी साहू पिता\पति रीकेश कुमार साहू पता- रावन भाटा नगरी, 163. उमभावानी साहू पिता\पति शिवकुमार साहू पता- टेड़ेसरा, 164. झाविश साहू पिता\पति रोमलाल साहू पता-कौरिन भाठा बसंतपुर, 165. निशा साहू पिता\पति नरेन्द्र कुमार साहू पता- टेड़ेसरा राजनादगांव, 166. घनश्याम प्रसाद शर्मा पिता\पति अयोध्या प्रसाद पता- वार्ड न. 11 बेमेतरा, 167. विधान मिश्रा पिता\पति प्रफुल्ल मिश्रा पता- भानुप्रतापपुर, 168. रामपाल साहू पिता\पति स्व. रामेशर साहू पता- घुमका, 169. साक्षी घोस पिता\पति एस. घोस पता- न्यू हाउसिंग वार्ड कॉलोनी जगदलपुर, 170. भामा यादव पिता\पति राकेश कुमार यादव पता-कलेक्ट्रेट कॉलोनी मचेवा, 171. संदीप पाण्डेय पिता\पति रामजी प्रसाद पता- कवर्धा, 172. भाव्या पिता\पति अश्वनी कुमार पता-बुगबड़ा 173. देव सिंह बघेल पिता\पति कपिल राम बघेल पता- बांधापारा कोंडागांव, 174. शिव रानी पिता\पति आर. त्रिमूर्तिय पता- भिलाई सेक्ट -9 हॉस्पिटल, 175. देविका सोनी पिता\पति हरीश कुमार सोनी पता-दुर्ग, 176. देवनाथ देवांगन पिता\पति स्व. कवल सिंह देवांगन पता- म.न. 95 वार्ड न. 56 बघेरा दुर्ग, 177. अशोक सिन्हा पिता\पति दुकालू राम सिन्हा पता- गया नगर दुर्ग, 178. सृष्टि चौधरी पिता\पति स्व. राजेश चौधरी पता- प्लाट न. 4/5 राधिका नगर भिलाई, 179. भारती साहू पिता\पति युवराज साहू पता-EWS 8/2 कोसा नगर दुर्ग, 180. टेरेन्स ठाकुर पिता\पति येदलाल ठाकुर पता- वर्मा हार्डवेयर रामनगर मुक्ति धाम भिलाई, 181. आरुशी टंडन पिता\पति हरीश टंडन पता- राम चौक रामनगर सुपेला भिलाई, 182. गरिमा सिन्हा पिता\पति राजेंद्र प्रसाद सिन्हा पता- सुपेला पांच रास्ता भिलाई, 183. कनक लता दिल्लीवार पिता\पति जनक लाल दिल्लीवार पता-विनायकपुर दुर्ग, बिलासपुर संस्करण - 184. प्रहलाद सिंह नेताम, पिता/पति-- दाऊराम नेताम, पता - अश्वग्रीन कॉलोनी, सेंदरी जिला बिलासपुर, 185. अक्जा सिद्दिकी, पिता/पति- फिरोज अहमद सिद्दिकी पता- लिंक रोड बिलासपुर, 186. कृष्ण कुमार यादव पिता/पति- स्व.रामस्वरूप यादव, पता- मगरपारा बिलासपुर, 187. विशेष कुमार महानंद पिता/पति- राजकुमार महानंद, पता- जबड़ापारा सरकंडा, बिलासपुर, 188. रविशंकर मिश्रा पिता/पति- अयोध्या प्रसाद मिश्रा पता- सरकंडा, बिलासपुर, 189. मयंक ऊके पिता/पति- अरविदं ऊके, पता- मगरपारा, बिलासपुर, 190. नीलू कुमारी पिता/पति- स्व. यूवेल कुमार, पता- आधार विद्या मंदिर, तालापारा, बिलासपुर, 191. कुंदन कटैलिहा, पिता/पति- नर्मदा कटैलिहा पता- सदर बाजार, बिलासपुर, 192. नंदलाल कोसले पिता/पति- शिव कुमार कोसले, पता- इमलीभाठा, बंधवापारा, बिलासपुर 193. जे. बी. सिद्दिकी पिता/पति- मो. तौफीक सिद्दिकी, पता- इंद्रपुरी रोड, शांति नगर, तिफरा, बिलासपुर, 194. रितेश जग्गा पिता/पति- नानकराम जग्गा, पता- बिलासपुर 195. चंद्रकली टंडन, पिता/पति- स्व. अशोक कुमार सूर्यवंशी पता- सोनवानी गली, मंझवापारा, बिलासपुर, 196. कौशिल्या शर्मा पिता/पति- स्व.गोधन शर्मा पता- दीनदयाल कॉलोनी, मंगला, बिलासपुर, 197. मंजूलता पटेल पिता/पति- नरेशराम पटेल, पता- मंगला, बिलासपुर, 198. गंगोत्री बाई कौशिक पिता/पति- भगवानीराम कौशिक पता- पेण्डारी, बिलासपुर, 199. स्वाति बाजपेयी पिता/पति- उज्वल बाजपेयी, पता- वार्ड नं. 16, वैशाली नगर, बिलासपुर, 200. सुधीर खंडेलवाल पिता/पति- स्व. विष्णु स्वरूप जी पता- ग्रीन गार्डन कालोनी बिलासपुर, 201. सरिता जायसवाल पिता/पति- दीपक जायसवाल, पता- एल आई जी 47, दीनदयाल कॉलोनी, मंगला बिलासपुर, 202. अशोक सूर्यवंशी पिता/पति- गेंदलाल सूर्यवंशी, पता- राजीव गांधी चौक, जरहाभाठा बिलासपुर, 203. तापस चटर्जी पिता/पति- स्व.एम.चटर्जी, पता- हेमू नगर, बिलासपुर, 204. पायल अग्रवाल पिता/पति- स्व. सी.एल. अग्रवाल, पता- तेलीपारा सरजू बगीचा बिलासपुर , 205. देवहूति चंद्रा पिता/पति- केशवराम चंद्रा पता- कपिल नगर सरकंडा, बिलासपुर, 206. गंगोत्री बाई कौशिक पिता/पति-कोमल प्रसाद कौशिक, पता- हांफा, बिलासपुर, भोपाल संस्करण - 207. मनीष प्रजापति पिता\पति - उदमसिंह प्रजापति पता-जगदीशपुर इस्लाम नगर, 208. भूरी बाई पिता\पति - दिनेश कुमार पता-इस्लाम नगर बैरसिया रोड भोपाल, 209. अर्शी शेख पिता\पति - आबिद शेख पता- म न 340 हनीफ कॉलोनी भोपाल, 210. मुकेश सेन पिता\पति- प्रेम नारायण सेन पता-52 ग्राम इस्लाम नगर बैरसिया रोड भोपाल, 211. देवेन्द्र भावसार पिता\पति - जानकी वल्लभ पता- भावसार जीरापुर, 212. रमेशचंद्र राठौर पिता\पति - पन्नालाल राठौर पता- जीरापुर, 213. नेहा पिता\पति - रामचंद्र जीरापुर, 214. कनिष्का राठौर पिता\पति - रामबाबू राठौर पता- आवास कॉलोनी जीरापुर, जबलपुर संस्करण - 215. संध्या पिता\पति - विजय उसरेठे कुमार पता- कटनी, 216. तन्मय सेन पिता\पति - रत्नेश सेन पता-भट्ठा मोहल्ला मुड़वारा कटनी, 217. शिवांश सिंघिया पिता\पति - अमित सिंघिया पता- डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड मंडला, 218. विकास मरावी पिता\पति - रेवंत सिंह पता- मरावी आमानाला मंडल, 219. रजनी मरावी पिता\पति - रेवंत सिंह मरावी पता-आमानाला मंडल, 220. राकेश मरावी पिता\पति - रेवंत सिंह मरावी पता-आमानाला मंडल, 221. दिव्यांजली वर्मा पिता\पति - धीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा पता-पाली उमरिया, 222.संदीप कुमार द्विवेदी पिता\पति - रमेश प्रसाद द्विवेदी वार्ड नंबर 1 समनापुर अनूपपुर।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

खबर संक्षेप

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

विजयराघवगढ़। राहत समर्पण सेवा समिति द्वारा संचालित राहत हेल्थ विज़न मिशन के अंतर्गत मॉडल रोड स्थित ममता आई केयर क्लिनिक में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 200 मरीजों की विस्तृत नेत्र जांच की गई जिनमें 50 मरीज मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए। इनमें से 40 मरीजों को सुखसागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जबलपुर रेफर किया गया जहाँ उनका मोतियाबिंद ऑपरेशन आयुष्मान भारत योजना तहत पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा। शिविर में नेत्र परीक्षण समिति के अध्यक्ष शारदा प्रसाद साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समिति के उपाध्यक्ष विपिन सिंह पटेल सदस्य चन्द्रभान पाल सुमिति कुशवाहा और विक्रम यादव की उपस्थिति व सहयोग रहा। मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाले लेंस, दवाएँ, फेको मशीन से आधुनिक सर्जरी तथा आवश्यक होने पर वाहन सुविधा बिना किसी शुल्क के प्रदान किया जा रहा है।

संविधान निर्माण पर रखे विचार, दिलाई शपथ

उमरियापान। शासकीय महाविद्यालय ढीमरखेड़ा में संविधान दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. अखिलेश द्विवेदी ने महाविद्यालय के विद्यार्थीयों और प्राध्यापकों को संविधान की शपथ दिलाई। इसके उपरांत डॉ. बृजलाल अहिरवार ने संविधान के निर्माण और उसके अनुच्छेदों पर विचार रखें। डॉ. राजाराम सिंह ने उद्बोधन में कहा कि, देश की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए संविधान की महती आवश्यकता है। संविधान दिवस के मौके पर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शिवानी राजपाल बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. शीर्षा मंडल,भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मनीषा व्यास, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार नागवंशी, डॉ. हर्षित द्विवेदी,युवराज तिवारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

भारतीय संविधान के प्रस्तावना का हुआ वाचन

विजयराघवगढ़। शासकीय महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा के त्रैमासिक कैलेंडर के अंतर्गत संविधान दिवस के उपलक्ष में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ अरुण कुमार द्वारा भारतीय संविधान तथा मौलिक अधिकारों एवं अनुच्छेदों से महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को परिचित कराया गया एवं संविधान तथा मौलिक अधिकारों की विशेषताओं से अवगत कराया गया। डॉ ज्योति सोनी द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया । इस कार्यक्रम में छात्रा समीक्षा विश्वकर्मा के द्वारा संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को समझाया गया।

6 वार्डों में एक साथ सीसी रोड और नाली निर्माण का भूमिपूजन

बुढ़ार में विकास की 'डबल इंजन' स्पीड!

अध्यक्ष-सीएमओ की जोड़ी ने बढ़ाई विकास की रफ्तार

विकास के लिए एकजुट हुए दोनों दल के पार्षद

शहडोल। बुढ़ार नगर में विकास की गूंज एक बार फिर तेज हुई है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और नव दायित्व संभालते ही तत्परता से सक्रिय हुए नगर परिषद अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव के नेतृत्व में बुधवार को छह वार्डों में सीसी रोड और नाली निर्माण का ऐतिहासिक भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विधायक जय सिंह मरावी सहित दोनों दलों के पार्षदों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले के बुढ़ार नगर ने बुधवार 26 नवंबर 2025 को विकास की एक और ऐतिहासिक शुरुआत का साक्षी बना। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के सशक्त नेतृत्व और नगर परिषद अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव की दक्ष कार्यशैली का परिणाम रहा कि वार्ड क्रमांक 04, 05, 06, 07, 13 और 15 में सीसी रोड और नाली निर्माण के लिए विशाल भूमिपूजन समारोह सम्पन्न हुआ। नगर परिषद द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन सभी वार्डों में कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किए जाने की दिशा में संकल्पित शुरुआत की गई है। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन वार्ड क्रमांक 05 के पुरानी बस्ती स्थित प्राथमिक शाला भवन के पास किया गया, जहाँ जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक जय सिंह मरावी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने इस अवसर को बुढ़ार के विकास के लिए 'एक मजबूत और दूरगामी कदम' बताते हुए कहा कि नगर के विकास कार्यों की गति जिस तरह बढ़ी है, वह टीमवर्क और मजबूत नेतृत्व का प्रत्यक्ष परिणाम है।

सशक्त और संवेदनशील नेतृत्व

समारोह की मुख्य धुरी रहीं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में विकास कार्यों को नई लय दी है। जनता से लगातार संवाद, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और हर वार्ड में उपस्थिति के कारण वे नगरवासियों के बीच एक सशक्त और संवेदनशील नेतृत्व के रूप में स्थापित हुई हैं। उनका कहना है कि यह भूमिपूजन केवल सडक़ और नाली निर्माण का औपचारिक प्रारंभ नहीं, बल्कि बुढ़ार को आधुनिक नगर के रूप में विकसित करने के व्यापक विजन की महत्वपूर्ण कड़ी है।

नियमित रूप से उठ रहा कचरा

नगर परिषद अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने पदभार संभालते ही शहर की व्यवस्था को सुधारने में तत्कालिक प्रभाव दिखाया है। उनके निर्देशों और प्रशासनिक फुर्ती के चलते साफ-सफाई के कार्यों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, कचरा नियमित रूप से उठ रहा है, नागरिकों की शिकायतें तेजी से हल हो रही हैं, और विभागीय समन्वय पहले से अधिक मजबूत हुआ है। परिषद के हालिया आदेशों में उन्होंने सभी कर्मचारियों को समयपालन और कार्य की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का स्पष्ट निर्देश दिया है, जिसका असर जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है।

सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश

इस विकास यात्रा की एक और विशेषता रही, नगर की राजनीति से ऊपर उठकर सभी पार्षदों का एकजुट होना। कांग्रेस और भाजपा, दोनों दलों के पार्षद श्रीमती सविता सिंह, श्रीमती गीता प्रजापति, श्रीमती सुमित्रा नामदेव, श्रीमती जूली रजक, हर्ष पाठक, हरिश्चंद्र केवट और मोहन बैगा एक मंच पर खड़े होकर नगर के हित में सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश देते दिखे। सभी ने नगर परिषद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विकास के लिए एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत है। समारोह में नागरिकों की व्यापक उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को उत्सव जैसा रूप दे दिया। राकेश पांडेय, पुष्पेंद्र ताम्रकार, दीपक शर्मा, कृष्ण गुप्ता, पुष्पराज सिंह, योगेंद्र सिंह, विनोद पाठक, सूरज गुप्ता, वाल्मीकि पांडे, आशु तिवारी, ओमी सिंह कारपेंटी, संजय नैनानी, अरुण जैन, चंद्रभान गुप्ता, बंटू सिंह, नीतू प्रजापति, रवि रजक, चिंटू सिंह, धर्मेंद्र जैन सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ नागरिकों ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

हितैषी कार्यों की सराहना

नगर परिषद की ओर से विद्यालय प्रबंधन और क्षेत्र के शिक्षकगणों का सम्मान भी किया गया। उन्होंने परिषद द्वारा किए जा रहे नागरिक हितैषी कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का सीधा लाभ बच्चों, अभिभावकों और रहवासियों को मिलेगा। समारोह में उपस्थित जनसमूह का उत्साह, जनप्रतिनिधियों की एकजुटता, प्रशासनिक टीम की ऊर्जा और नेतृत्व की दूरदर्शिता ने यह स्पष्ट कर दिया कि बुढ़ार अब स्थायी और तेज रफ्तार विकास की राह पर अग्रसर है। शालिनी सरावगी और सौरभ श्रीवास्तव की टीम का यह संयुक्त प्रयास नगर की तस्वीर बदलने की क्षमता रखता है, और यही भावना बुढ़ार के उज्ज्वल भविष्य की नींव भी बन रही है।

पंचायत राज का सीक्रेट सुपर स्टार!

'बीमार' सचिव ने प्रशासन को बनाया बंधक

मंगलेश्वर की मनमानी ने 2 पंचायतों का विकास रोका

शहडोल। जिले के पंचायत राज में इन दिनों नियमों और आदेशों का नहीं, बल्कि एक सीक्रेट सुपरस्टार पंचायत सचिव की निरंकुश मनमानी का राज चल रहा है। यह मामला सिर्फ लापरवाही का नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और खुली मिलीभगत का एक ज्वलंत उदाहरण बन चुका है, जिसने शहडोल की पंचायत व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। मामला है जयसिंहनगर जनपद की हिडवाह पंचायत के तत्कालीन और टिहकी पंचायत के नवीन पदस्थ सचिव मंगलेश्वर सिंह का है। जिला पंचायत शहडोल ने 17 जून 2025 को उन्हें हिडवाह से टिहकी स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया था। आदेश में स्पष्ट था कि तत्काल पुराने पद से मुक्त होकर नए पद पर कार्यभार ग्रहण करें। 17 दिसंबर को इस तबादले को पूरे छह माह हो जाएंगे, मगर जनाब मंगलेश्वर सिंह ने न तो टिहकी में कदम रखा है और न ही हिडवाह का मोह छोड़ा है, आश्चर्यजनक रूप से इन छह महीनों से वह 'अनफिट' चल रहे हैं।

'मेडिकल' का ड्रामा या प्रशासनिक संरक्षण?

स्थानांतरण आदेश की स्याही सूखते ही सचिव मंगलेश्वर सिंह ने तुरंत 'बीमारी' का हथियार उठा लिया और मेडिकल अवकाश पर चले गए। कागजों पर वह इतने गंभीर रूप से बीमार हैं कि सरकारी दफ्तर की कुर्सी पर बैठना उनके लिए जानलेवा हो सकता है, लेकिन ज़मीनी हकीकत इन कागजों को चिढ़ाती है, श्री सिंह की यह बीमारी केवल टिहकी पंचायत के कार्यभार ग्रहण करने तक सीमित है। शहर में उनकी सक्रियता को देखकर कोई भी कह सकता है कि वह 'सुपर फिट' हैं, मगर 'अधिकारी' और 'डॉक्टर' की मिलीभगत से वह 'अनफिट' बने हुए हैं।

जनपद प्रशासन की मिलीभगत से ठप्प पड़ा दो-दो पंचायतों का विकास

पार्टी में पूरी तरह फिट!

सबसे शर्मनाक और हास्यास्पद बात यह है कि जिस सचिव को सरकारी कार्य करने के लिए छह माह से स्वास्थ्य ने अनुमति नहीं दी, वह समाज के हर बड़े आयोजन की शान बने हुए हैं। तत्कालीन जयसिंहनगर एसडीओ के विदाई समारोह में मंगलेश्वर सिंह ने घंटों खड़े होकर, माइक थामकर शानदार मंच संचालन किया। क्या गंभीर बीमार व्यक्ति घंटों खड़े रहकर भीड़ को नियंत्रित कर सकता है? राष्ट्रीय पर्व की तिरंगा यात्रा में वह पूरी तरह सक्रिय दिखे, जुलूस में शामिल हुए और नारे लगाए। बीते दिनों ही जयसिंहनगर के बड़े सामाजिक कार्यक्रमों, शादियों और पार्टियों में पूरी उपस्थिति दर्ज कराई है। वह हर जगह हाजिर हैं, लोगों से मिल रहे हैं, हंस बोल रहे हैं, लेकिन आज तक उन्होंने अपना फिटनेस सर्टिफिकेट जनपद कार्यालय में जमा नहीं किया है। यह साफ दर्शाता है कि बीमारी महज एक ढोंग है, जिसका उद्देश्य तबादला आदेश को कूड़ेदान में डालना और अपनी मनपसंद जगह पर जमे रहना है।

आईसीयू में दो पंचायतों का विकास

सचिव की इस मनमानी और प्रशासन की चुप्पी की कीमत दो-दो पंचायतों के गरीब ग्रामीण चुका रहे हैं। हिडवाह पंचायत सचिव के मुक्त न होने के कारण यह पंचायत सचिव विहीन है। टिहकी पंचायत में सचिव ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है, जिससे विकास योजनाएं ठप्प पड़ी हैं। मनरेगा, आवास योजना, शौचालय निर्माण, वृद्धावस्था पेंशन सब पर ताला लगा है। क्या ग्रामीणों का विकास सचिवों की मर्जी और प्रशासनिक अधिकारियों की कृपा पर निर्भर है?

डॉक्टरों की संदिग्ध भूमिका!

जिला पंचायत के आदेश में स्पष्ट नियम है कि मेडिकल अवकाश केवल नवीन पदस्थापना वाली पंचायत से ही स्वीकृत होगा, लेकिन यहां जनपद जयसिंहनगर के अधिकारियों ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए, पुरानी जगह से ही उनका मेडिकल मान्य कर दिया। यह सीधे-सीधे प्रशासनिक मिलीभगत का सबसे बड़ा प्रमाण है। इसके साथ ही वह डॉक्टर भी संदेह के घेरे में हैं, जिन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को गंभीर रूप से बीमार का प्रमाण पत्र जारी कर दिया जो माइक थामकर भीड़ में घंटों खड़ा हो सकता है। क्या चिकित्सा व्यवस्था भी सरकारी कर्मचारियों के लिए कानून तोडऩे का लाइसेंस बन चुकी है?

जनपद प्रशासन की चुप्पी क्यों?

जयसिंहनगर जनपद के जिम्मेदार अधिकारी इस पूरे मामले पर मौन क्यों हैं? 6 महीने तक एक सचिव खुलेआम आदेशों की अवहेलना कर रहा है, दो पंचायतों को बर्बाद कर रहा है, और अधिकारी आंख मूंदकर बैठे हैं। यह चुप्पी किसी बड़ा खेल की ओर इशारा कर रही है। क्या मंगलेश्वर सिंह की मनमानी में अधिकारियों का भी कोई हित जुड़ा है? क्या सचिवों पर अब अधिकारियों की पकड़ खत्म हो गई है, या वे इस खेल में हिस्सेदार बन चुके हैं? सवाल है कि यदि वह सच में बीमार हैं, तो उन्हें जनपद कार्यालय में अटैच करके कम से कम पंचायतों को तो मुक्त किया जा सकता था?

जिम्मेदारों की जवाबदेही तय हो!

यह मामला अब केवल एक अदने से सचिव का नहीं रहा, बल्कि यह पूरे जिले की प्रशासनिक साख पर सवाल है। कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को चाहिए कि इस मामले को अति-गंभीर मानते हुए तत्काल जांच कराएं। सचिव मंगलेश्वर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। फर्जी मेडिकल के आधार पर लिए गए 6 महीने के वेतन की वसूली की जाए। इस पूरी प्रक्रिया में शामिल जनपद अधिकारियों और संदिग्ध डॉक्टरों पर भी कड़ी कार्रवाई हो, ताकि यह संदेश जाए कि नियम-कानून सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं हैं। यदि प्रशासन ने अब भी चुप्पी साधे रखी, तो यह माना जाएगा कि सचिव वर्ग प्रशासन से ऊपर है और जिले में विकास नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का राज चल रहा है।

इनका कहना है...

आप हमें जानकारी उपलब्ध कराये, मामले को हम दिखवाते हैं।
शिवम प्रजापति
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

मतदाता सूची शुद्धिकरण में भाजपा की ओवर एक्टिव भूमिका!

उमरिया। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में भारतीय जनता पार्टी जिले में अपनी पूरी ताकत और मशीनरी के साथ असाधारण सक्रियता दिखा रही है।

पार्टी के आलाकमान से मिले निर्देश के बाद, जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल स्वयं इस कार्य की ड्रिलिंग कर रहे हैं, जिसके तहत जिले के प्रत्येक मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर बीएलए-2 की नियुक्तियां कर एसआईआर टीम तैनात की गई है। यह विशेष अभियान 5 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलना है, और इस अवधि में भाजपा कार्यकर्ताओं का हर बूथ पर बीएलओ के साथ मिलकर काम करना चर्चा का विषय बना हुआ है। जिलाध्यक्ष अग्रवाल का दावा है कि उनकी टीम यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए, वहीं दूसरी ओर उनकी निगाहें उन नामों पर भी हैं जो फाल्स या फर्जी प्रतीत हो रहे हैं। श्री अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत का परिणाम है कि उमरिया जिला अब स्ट्रेक्र कार्य में प्रदेश में 14वें पायदान पर आ गया है। उन्होंने दावा किया कि जिले की दोनों विधानसभाओं में अब तक लगभग 90 प्रतिशत फॉर्मों की फीडिंग पूरी हो चुकी है, और आगामी दो से तीन दिनों में जिला 100 प्रतिशत लक्ष्य की ओर बढ़ेगा। पार्टी का यह मिशन मोड साफ दर्शाता है कि भाजपा इस शुद्धिकरण अभियान को मात्र निर्वाचन आयोग के कार्य में सहयोग नहीं, बल्कि संगठनात्मक अनिवार्यता मानकर चल रही है। हालांकि, जिस तत्परता से पार्टी केवल नाम जुड़वाने में नहीं, बल्कि फर्जी नामों पर नजर रखने का काम भी कर रही है, उस पर विपक्षी दलों की पैनी निगाहें बनी हुई हैं। कार्यकर्ता बीएलओ के साथ मिलकर कैसे फर्जी नाम चिह्नित कर रहे हैं, यह सवाल अभी भी प्रशासनिक गलियारों में गूंज रहा है।

जर्जर मार्ग एवं बहते गंदे पानी से परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की नेगई ग्राम पंचायत में जर्जर सड़क से रहवासी परेशान हैं। कच्चा मार्ग पूरी तरह खराब हो चुका है। जगह-जगह छोटे-बड़े गढ्ढे हो गए है। उबड़ खाबड़ रास्ता होने के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सुधार कार्य को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि नेगई के इस मोहल्ले में अधिकतर आदिवासी समुदाय के लोग रहते है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों के अलावा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर भी शिकायत दर्ज कराई। निर्माण का काम शुरू नहीं होने से आवाजाही में भारी परेशानी होती है। इस मार्ग से स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पानी से भरे गड्ढों के कारण फिसलने और दुर्घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। कई बार वाहन फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे लोग घायल तक हो जाते हैं। रहवासियों ने सरपंच- सचिव से जल्द सड़क और नाली निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो आने वाले दिनों में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। नेगई के आदिवासी मोहल्ले में सड़क और नाली निर्माण का काम नहीं होने के कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर ही जमा हो जाता है। ग्रामीणों को बदबूदार और गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।वाहनों के गुजरने पर गंदा पानी घरों की दीवारों में उछलकर लगता है, जिससे लोगों के बीच आए दिन कहासुनी और विवाद की स्थिति भी बन जाती है।

श्रमिक नगर बस्ती की घुट रही सांसें, तत्काल कार्रवाई की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। बस्ती निवासी बिधवा महिला दनकी केवट (55 वर्ष) ने थाना प्रभारी रत्नाभर शुक्ला को लिखित शिकायत देकर बताया कि मोहल्ले के विजय साहू और लखन साहू कई महीनों से बड़ी मशीन से धान के पैरे की कटाई कर रहे हैं, जिससे भारी मात्रा में धूल उड़कर पूरे क्षेत्र में फैल रही है इसके कारण घरों के अंदर तक धूल पहुंच रही है और लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। शिकायत में उल्लेख है कि अवैध क्रेशर और भारी मशीन से पैरा कटाई के चलते बस्ती के लोगों को दमा, खांसी, एलर्जी और सांस संबंधी बीमारियाँ हो रही हैं। दनकी केवट ने आरोप लगाया कि रोकने पर विजय साहू गाली गलौज करता है, डराता धमकाता है जान से मारने की धमकी देता है और कहता है कि हम अपनी जमीन पर कर रहे हैं, जिसे जो करना है कर लो ग्रामीणों ने बताया कि पैरा कटाई से उठने वाली डस्ट से सबसे अधिक प्रभावित पास के ब्यूटी पार्लर में सीखने आने वाली छोटी-बड़ी बच्चियां और महिलाएं होती हैं बिल्डिंग दुकान में काम करने वाले मजदूर होते हैं जिन्हें लगातार खांसी और एलर्जी की समस्या बढ़ गई है। शिकायतकर्ताओं में शामिल शिवचरण यादव, नंदकुमार, रोशनी अहिरवार, पार्वती मांझी, शिवम सहित अन्य ग्रामीण ग्रामीणों का कहना है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ रहा है, लेकिन प्रशासन स्थिति को अनदेखा कर रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि अवैध प्रेशर कटाई पर तुरंत रोक लगे धान पयरा कटाई से उड़ने वाली धूल पर रोक या निर्धारित स्थान पर कटाई की व्यवस्था जिम्मेदार व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई बस्ती के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए त्वरित समाधान ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी लिखित शिकायत के बाद अब प्रशासन के कान खड़े होने चाहिए और तत्काल प्रभाव से कदम उठाने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

बैगा समाज के विरोध पर रुका पानी टंकी निर्माण, विधायक ओमकार मरकाम ने दिए वैकल्पिक स्थल खोजने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। नगर परिषद डिंडोरी के वार्ड क्रमांक 03 स्थित बैगा बैगिन चौक में बनाई जा रही पानी की टंकी को लेकर स्थानीय बैगा समाज का विरोध तेज हो गया है। समाज के लोगों ने निर्माण कार्य पर आपत्ति जताते हुए इसे तत्काल रोके जाने की मांग की थी।मंगलवार को मौके पर डिंडोरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, ब्लॉक अध्यक्ष जावेद इकबाल और नेता प्रतिपक्ष ज्योतिरादित्य भलावी पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली।विधायक ओमकार मरकाम ने संबंधित पटवारी को निर्देशित किया कि टंकी निर्माण के लिए किसी अन्य उपयुक्त स्थान का प्रस्ताव तैयार किया जाए। साथ ही उन्होंने नगर परिषद के इंजीनियरों को सख्त निर्देश दिए कि बैगा समाज के सदस्यों से चर्चा और सहमति के बाद ही आगे का कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक चर्चा पूरी नहीं होती, तब तक निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से बंद रखा जाए।घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनकी भावनाओं और परंपराओं का सम्मान किया जाएगा।

संविधान दिवस पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं रासेयो प्रभारी डॉ. सीमा डावर और डॉ. स्वर्णिम पटेल भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी की मार्गदर्शन में भारतीय संविधान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक धर्मेन्द्र बहादुर सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय संविधान व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका को कार्यान्वित करने के लिए मूल प्रस्तावना हैं। इसके साथ साथ सहायक प्राध्यापक डॉ. सीमा डावर एवं डॉ. निगहत खान ने भी भारतीय संविधान दिवस पर अपने वक्तत्व से छात्र एवं छात्राओं को अभिभाषण के साथ समानता, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्र, न्याय एवं स्वतन्त्रता की महत्व बताए गए। इसके पश्चात समस्त महाविद्यालय के स्टॉफ एवं छात्र - छात्राओं ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन के साथ शपथ ग्रहण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ डॉ. सुनील काकोड़िया, समीर धुर्वे, ओमकार वाटिया, कमलेश वास्पे एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तहसीलदार ने धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में शहपुरा तहसीलदार सुन्दर लाल यादव ने ग्राम मानिकपुर और ग्राम बरगांव स्थित धान खरीदी उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीदी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली और किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को जाना। तहसीलदार यादव ने उपस्थित अधिकारियों और उपार्जन केंद्र स्टाफ को निर्देशित किया कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, तौल क्रम और खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुचारू रहे। उन्होंने स्टॉक, व्यवस्था, मशीनों की कार्यप्रणाली तथा सुरक्षा इंतजामों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पटवारी आनंद डेहरिया, लेम्पस मैनेजर राजेश साहू, उपार्जन केंद्र प्रभारी रामानंद साहू सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषक मौजूद रहे।

किराया सूची और सुरक्षित संचालन पर दिए गए कड़े निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जिला परिवहन अधिकारी की अध्यक्षता में आज **RTO** कार्यालय में सभी बस ऑपरेटरों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बस संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी बस ऑपरेटर अपनी बसों में फिटनेस, परमिट, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों को वैध एवं अद्यतित रखें। इसके साथ ही किराया सूची एवं दस्तावेजों की वैधता की जानकारी बसों में चस्पा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए किराया 10 रुपए निर्धारित करने को कहा गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों में ओलंपिक भावना विकसित करने के उद्देश्य से

रिलायंस फाउंडेशन द्वारा मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान किया गया

बुढार।

बच्चों में ओलंपिक भावना विकसित करने के पुनीत उद्देश्य से, ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत रिलायंस फाउंडेशन द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, और कुशल प्रशिक्षकों द्वारा विस्तृत रूप से मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षिण प्रदान किया गया।

ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत शहडोल जिले के शहरी तथा ग्रामीण अंचलों में स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों के 3 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को उत्कृष्टता (प्रयास की खुशी), सम्मान, दोस्ती थीम को लेकर ओलंपिक भावना विकसित के उद्देश्य से कुशल प्रशिक्षकों नें मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण रिलायंस रिसोर्स सेंटर में दिया गया, शहडोल जिलें में ओलंपिक भावना नवनिहालों में जागृत करनें चयनित किया गया है, और विविध कहानियों के माध्यम से बच्चों को खेल भावना से भरपूर अवगत कराया जायेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी की प्रतिमां के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित कर किया गया और कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सी.बी.एम. साइट हेड - राजेश वर्मा, सी.एस.आर. हेड - राजीव श्रीवास्तव की विशिष्ट उपस्थिति रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम अवसर पर - बच्चों को कहानी, खेल और गतिविधियों के माध्यम से दोस्ती, प्रयास का आनंद, और सम्मान जैसे मूल्यों से कुशल प्रशिक्षक सुगंध हेमिल्टन तथा सुदक्षना नें विस्तुतरूप से परिचित कराया और बच्चों में टीमवर्क, अनुशासन, खेलभावना, मेहनत और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये मनोरंजनात्मक गतिविधियाँ कराये जानें मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिये। ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के तहत बच्चों को कहानी-आधारित रोल प्ले, दौड़ना-उछलना, बॉडी वर्क, मैत्री ट्रेन, स्पेस-शेयरिंग गेम, चित्रकला तथा 'दोस्तों की मदद करना, लक्ष्यों को हासिल करना, 'हार ना मानना' जैसे मूल्य-आधारित खेलों से आंगनबाड़ी केंद्रों के 3 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को लाभान्वित कराया जायेगा और ओलंपिक के पाँच रंगों (नीला, पीला, काला, हरा, लाल) की पहचान कराना, बच्चों को 'दोस्ती की दौड, 'प्रयास का आनंद', और 'सम्मान करना' जैसी छोटी-छोटी प्रेरक कहानियों तथा गतिविधियों से बच्चों को प्रेरणा देना एवं गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को बारी-बारी से खेलने, जीत पर खुश होने, हारने वाले को प्रोत्साहित करना और "धन्यवाद", "बहुत अच्छा खेला" जैसे संस्कारयुक्त व्यवहार सिखाया जाना है। कुशल प्रशिक्षकों ने अवगत कराया कि - हम सब मित्र हैं, खेल लड़ाई नहीं, जीने का तरीका है, हार जीत से अधिक महत्वपूर्ण प्रयास है, खेल हमें मजबूत और खुश बनाते हैं, इसी उद्देश्य से बच्चों को प्रोत्साहित कर इसका लाभ अर्जित कराना है, जिससे वे इन गतिविधियों से अग्रसर हो सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम अवसर पर - महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी बुढार रामकुमारी पाण्डेय, आनंद अग्रवाल (सोहागपुर), सतवंत कौर हूरा (गोहपारू) तथा सी.बी.एम. लेडिज क्लब की अध्यक्ष दीपाली वर्मा की विशिष्ट उपस्थिति रही।

नगर परिषद वार्डवासियों को दे रहा विकास की सौगातः विधायक जयसिंह

बुढार नगर परिषद के विभिन्न वार्डों में कराये जाने वाले निर्माण कार्यों का किया गया भूमि पूजन

बुढार।

नगर परिषद बुढार द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में कराये जाने वाले निर्माण कार्यों का भूमिपूजन बुधवार को किया गया और मुख्यातिथि व अतिथियों ने आयोजित समारोह को संबोधित किया। जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथि तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की अध्यक्षता में शिलान्यास कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

भूमि पूजन कार्यक्रम अवसर पर जिला भाजपा उपाध्यक्ष राकेश पांडेय, दीपक शर्मा, पुष्पेंद्र ताम्रकार, रवि कुमार रजक, रामयश मलानी, लक्ष्मण गौतम, पार्षद हर्ष पाठक, हरिश्चंद्र केवट, श्रीमती सविता सिंह भदौरिया, जूली रजक, सुमित्रा नामदेव, गीता प्रजापति, मोहन बैगा, आनंद बारी, चन्द्रभान गुप्ता, राज पाठक, विनोद पाठक, योगेंद्र सिंह, बंटू सिंह, आशु तिवारी, संजय नैनानी, वाल्मीकि पांडेय, राजकुमार गुप्ता, सूरज गुप्ता, मदन नीतू प्रजापति, सी.एम.ओ. सौरभ श्रीवास्तव, उपयंत्री सी.पी. पाण्डेय, संजय द्विवेदी की विशिष्ट उपस्थिति रही। नगर परिषद बुढार द्वारा नगर के वार्ड क्रं. 4 में सलूजा बिल्डिंग से लेकर हनुमान मंदिर तक स्वीकृत सीमेंटेड क्रांकीट मार्ग निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा वार्ड क्रं. 5 में प्राथमिक शाला भवन एवं बाउंड्री बाल निर्माण कार्य, वार्ड क्रं 6 यादव बाहुल्य वार्ड में सीं.सीं. रोड एवं नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्रं. 7 में नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्रं. 13 में सीं.सीं. रोड निर्माण कार्य, तथा वार्ड क्रं. 15 में सीमेंट क्रांकीट नाली के कराये जाने वाले निर्माण कार्यों का मुख्यातिथ तथा अध्यक्ष ने पार्षदों व वार्डवासियों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया। जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने शिलान्यास अवसर पर कहाकि - नगर परिषद बुढार द्वारा नागरिकों की आशाओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है और नवीन स्वीकृति निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया जाये जिससे वार्डवासियों को विकास कार्य का लाभ अर्जित हो सके। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहाकि - नगर के विभिन्न वर्णों में सीं.सीं. रोड निर्माण तथा नाली निर्माण जैसे अनेकों कार्यों को पूर्व में पूरे प्राथमिकता के साथ कराया गया है और नवीन निर्माण कार्य जिसकी स्वीकृति उपरांत आज भूमिपूजन किया गया है गुणवत्तापूर्ण कर कराया जायेगा।

श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहाकि - नगर वासियों की आशाओं के अनुरूप परिषद विकास की नित नई सौगात अर्जित करने में निरंतर तत्पर है। नगर परिषद के सी.एम.ओ. सौरभ श्रीवास्तव ने मुख्यतिथ व कार्यक्रम में पधारे सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कल्याणिका महाविद्यालय अमरकंटक में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने ली शपथ राष्ट्रगान के साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित कल्याणिका महाविद्यालय में 'संविधान दिवस' के अवसर पर एक भव्य एवं गरिमामयी शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एस. कुशवाहा, असिस्टेंट प्रोफेसर बृजेश कुमार मिश्रा, समस्त प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर भारतीय संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि कार्यक्रम की शुरुआत भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर में उपस्थित सभी प्रतिभागियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया।

लोकतंत्र की आत्मा है हमारा संविधान- समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत ने विधिवत रूप से संविधान को अंगीकार किया था। यह केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है, जो नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें अपने मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों का पालन ईमानदारी से करना चाहिए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह रहा। सभी उपस्थित सदस्यों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वेकृ भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखेंगे। संविधान के आदर्शों, संस्थाओं और प्रावधानों का सम्मान करेंगे। राष्ट्र की प्रगति एवं विकास में सक्रिय योगदान देंगे। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे और 'संविधान दिवस' को समर्पित यह कार्यक्रम देशभक्ति और जागरूकता का संदेश देकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी ने विद्यार्थियों को दिया सीपीआर प्रशिक्षण

डिग्री कॉलेज पुष्पराजगढ़ में रक्तदान जागरूकता एवं संविधान शपथ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी अनूपपुर द्वारा गुरूवार को शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ में सीपीआर प्रशिक्षण, रक्तदान जागरूकता तथा संविधान शपथ एवं प्रस्तावना वाचन का संयुक्त कार्यक्रम डिग्री कॉलेज पुष्पराजगढ़ में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को जीवनरक्षक तकनीकों के साथ-साथ संविधान के प्रति कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति सजग बनाना था। कार्यक्रम में राष्ट्रनिर्माण में संविधान दिवस के महत्व पर चर्चा के साथ हुई। साथ ही विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से संविधान की शपथ ली तथा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। जिसने सभी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति पुनः जागरूक और प्रतिबद्ध किया। पूर्व जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं चेयरमैन इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अनूपपुर डॉ.आरपी सोनी ने विद्यार्थियों को कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन की तकनीक व्यावहारिक रूप से सिखाईं। युवाओं को हृदयाघात अचानक बेहोश हो जाने सांस रुक जाने जैसी आपात स्थितियों में तुरंत सहायता देने के तरीकों की जानकारी दी गई। व्यक्ति को सुरक्षित एवं सख्त सरफेस में लेटा देना चाहिए एवं सहायता के लिए दूसरों को भी आवाज लगाते हुए एंबुलेंस को कॉल करते हुए और बिना देरी किए सीपीआर शुरू कर देना चाहिए, 1 मिनट में 100 से 120 बार करना चाहिए एवं प्रत्येक 30 बार में दो बार मुंह से सांस देना चाहिए शुरू के 5-7 मिनट गोल्डन टाइम कहलाता हैं। डॉ.आरपी सोनी ने बताया कि देश में 70 फ़ीसदी व्यक्तियों को घरों में 20 प्रतिशत पब्लिक प्लेस में तथा 10 प्रतिशत अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट होता है। दुर्भाग्य की बात है कि 5 प्रतिशत से भी कम लोगों को सीपीआर मिल पाता है। रक्तदान जागरूकता सत्र में रेडक्रास सचिव डॉ देवेंद्र कुमार तिवारी अभी ने नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक यूनिट रक्त कई जीवन बचाने में सहायक होता है। लोगों को रक्तदान से जुड़े भ्रमों को दूर कर समाजहित में आगे आने के लिए प्रेरित किया गया। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, अनूपपुर की ओर से कोषाध्यक्ष अशोक शर्मा द्वारा रेडक्रॉस के संबंध में प्रकाश डाला गया और समस्त विद्यार्थी एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संगीता मसी का आभार व्यक्त करते हुए समाजहित में ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. राम सजीवन धुर्वे,डॉ. हेमलाल देवांगन, डॉ रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. सुरेश चंद्र अवस्थी, डॉ. सम्राट सिंह, डॉ. आर के मरावी, अखिलेश कुमार सहित अन्य सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक बैठक सम्पन्न

एक सप्ताह में वाहन दर सूची तैयार करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पर्यटन एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण नगरी अमरकंटक में बाहरी पर्यटकों के लिए वाहन दरें निर्धारित करने, टैक्सी परमिट व्यवस्था सुधारने तथा नर्मदा परिक्रमा मार्ग के उत्तर तट से दक्षिण तट परिवर्तन संबंधी मुद्दों पर नगर पंचायत कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम भट्ट ने की। इस अवसर पर आरटीओ सुरेंद्र कुमार गौतम, एसडीओपी नवीन तिवारी, सीएमओ चैन सिंह परस्ते, नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती सिंह, पार्षदगण, पत्रकार, टैक्सी यूनियन, ऑटो यूनियन, वाहन मालिक तथा चालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अवैध वसूली की शिकायतें गंभीर

बैठक में बताया गया कि नर्मदा परिक्रमा पर आने वाले श्रद्धालुओं और परिक्रमावासियों को स्थानीय एजेंटों द्वारा अनावश्यक रूप से भ्रमित किया जा रहा है। एजेंट यह कहकर भय उत्पन्न करते हैं कि बाहर की टैक्सी लेने पर परिक्रमा खंडित हो जाएगी। इसी बहाने परिक्रमावासियों से 500 से 1000 रुपये प्रति व्यक्ति या इससे अधिक की वसूली की जाती है। अनजान श्रद्धालु भय व दबाव में आकर यह राशि देने को विवश हो जाते हैं, जिससे उनकी धार्मिक यात्रा प्रभावित होती है। प्रशासन ने इस स्थिति को गंभीर अनियमितता मानते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। एसडीएम ने टैक्सी यूनियन और स्थानीय वाहन मालिकों को निर्देशित किया कि अमरकंटक के सभी दर्शनीय स्थलों के लिए तथा नर्मदा परिक्रमा मार्ग तट परिवर्तन हेतु उचित व एकसमान वाहन दर सूची आपसी सहमति से तैयार कर एक सप्ताह के भीतर प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत की जाए। एक माह में सभी वाहनों के वैध परमिट अनिवार्य आरटीओ ने स्पष्ट किया कि एक माह के भीतर क्षेत्र में संचालित सभी वाहनों के वैध परमिट जारी कराना अनिवार्य होगा।

बिना परमिट नहीं चलेगा कोई भी वाहन

ऑटो चालकों को क्षमता से अधिक सवारी न बैठाने के कड़े निर्देश दिए गए। वाहनों और चालकों की जानकारी पुलिस व नगर पंचायत में दर्ज कराना अनिवार्य बैठक में यह सहमति बनी कि अमरकंटक में चलने वाले सभी वाहनों की निम्न जानकारी अनिवार्य रूप से जमा कराई जाए वाहन रजिस्ट्रेशन नंबर वाहन मालिक और चालक का नाम मोबाइल नंबर पहचान पत्र इससे परिवहन व्यवस्था अधिक पारदर्शी होगी और संदिग्ध गतिविधियों पर नियंत्रण भी सुनिश्चित होगा। धर्मशालाओं व लॉजों में वाहन दर सूची चस्पा होगी अधिकारियों ने निर्देश दिया कि सभी धर्मशालाओं, आश्रमों, लॉजों तथा वाहनों में रेट लिस्ट प्रदर्शित की जाए। रेट लिस्ट पर शिकायत नंबर भी अंकित होगा ताकि पर्यटक किसी भी असुविधा पर तुरंत शिकायत कर सकें। मनमाना शुल्क वसूली, अभद्र व्यवहार या किसी भी अनियमितता की स्थिति में सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। एसडीओपी नवीन तिवारी ने निर्देश दिया कि वाहन चालकों के सभी दस्तावेज अद्यतन रहें। नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अमरकंटक धार्मिक और पर्यटन नगरी है, अतः पर्यटकों व श्रद्धालुओं से शालीनता और विनम्रता से व्यवहार करना अनिवार्य है।

पत्नी के साथ अवैध संबंध होने के संदेह में युवक के गुप्तांग में मारी चाकू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र में पत्नी के साथ कथित अवैध संबंध के संदेह में एक युवक ने दूसरे युवक के प्राइवेट पार्ट में चाकू से हमला कर दिया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चौराहे के पास हुई घटना

घटना मंगलवार देर रात रंगनाथ थाना क्षेत्र के लक्ष्मी पान भंडार चौराहे के पास हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह विवाद रितिक गोटियां और शैलेन्द्र गोटियां नामक दो युवकों के बीच हुआ था।

आरोपित को है संदेह

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विवाद की वजह रितिक गोटियां की पत्नी के शैलेन्द्र गोटियां के साथ कथित अवैध संबंध होने का शक है। इसी बात को लेकर दोनों युवकों के बीच काफी समय से तनाव चल रहा था।

मंगलवार देर रात जब रितिक गोटियां और शैलेन्द्र गोटियां का लक्ष्मी पान भंडार चौराहे पर आमना-सामना हुआ, तो उनके बीच बहस शुरू हो गई। यह बहस जल्द ही मारपीट में बदल गई। मारपीट के दौरान, रितिक गोटियां ने आवेश में आकर शैलेन्द्र गोटियां के गुप्तांग पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से शैलेन्द्र गोटियां गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

आरोपित को किया गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही रंगनाथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। आरोपी रितिक गोटियां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

संस्कार विधि महाविद्यालय में विविध कार्यक्रम सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संस्कार विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विनोद कुमार वर्मा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल रहे। कार्यक्रम के दौरान' बृजेश पटेल ने विद्यार्थियों को मौलिक कर्तव्यों' के विषय में विस्तारपूर्वक अवगत कराया तथा उन्हें इन कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किसी सशक्त राष्ट्र के निर्माण में नागरिकों द्वारा किए जाने वाले कर्तव्य अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं दूसरी ओर 'सचिव श्री विनोद कुमार वर्मा' ने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारत के संविधान की अन्य देशों के संविधान से तुलनात्मक व्याख्या प्रस्तुत की। उन्होंने इतिहास के पन्ने पलटते हुए संविधान निर्माण की प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन किया तथा विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी राष्ट्र की एकता, अखंडता और न्याय व्यवस्था के लिए संविधान का होना कितना आवश्यक है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं समस्त स्टाफ द्वारा 'संविधान की प्रस्तावना' का सामूहिक वाचन (संकल्प-ग्रहण) कर किया गया। सभी ने लोकतांत्रिक मूल्यों को हृदय में संजोने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के 'प्राचार्य डॉ.' आनंद कुमार द्विवेदी' ने संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों पर अपने विचार रखते हुए संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया, इस अवसर पर महाविद्यालय के 'प्राध्यापक गण विद्यासागर मांझी, पल्लव मिश्रा, श्रीमती सरिता चौरसिया, रविन्द्र यादव' एवं' 'अभय शर्मा' ने संविधान के विविध पक्षों पर अपने- अपने विचार व्यक्त किए, अनेक' विद्यार्थियों' ने संविधान के प्रति अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं और इसके विभिन्न पक्षों पर विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम ने छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन 'सुश्री' 'शिवांगी' ने किया। संस्कार लॉ कॉलेज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने में महाविद्यालय के 'संचालक नवोद चपरा' का सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा, साथ ही रामनरेश केवट, लखनलाल केवट, रवि केवट, सुनील कुशवाहा, भुवन, कमलेश तथा श्याम बाई का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इसे ज्ञानवर्धक तथा प्रेरणादायी बताया।

फालोअप

विभाग ने फिर भी विशेष निगरानी के दिए निर्देश; बोले- वन संपदा पारिस्थितिकी धरोहर

साल बोरर कीट से नहीं अमरकंटक के जंगल को 'संकट'

हरिभूमि
अमरकंटक में साल बोरर बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने बढ़ाई चिंता

साल बोरर रोग पर वन विभाग सतर्क, विधायक समेत संत समाज ने जताई थी गहरी चिंता

पवित्र नगरी अमरकंटक के जंगलों में पेड़ों में साल बोरर रोग लगने की आशंका सामने आई थी। इसके बाद वन विभाग हरकत में आया और जबलपुर से विशेषज्ञों की एक टीम बुलाई गई। जांच के बाद पेड़ों में साल बोरर रोग नहीं पाया गया। हालांकि, वन विभाग भोपाल की तरफ से अमरकंटक के जंगलों में स्थित पेड़ों की विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक की ओर से प्राप्त तकनीकी प्रतिवेदन के अनुसार, राज्य वन अनुसंधान संस्थान और भारतीय वानिकी वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने अमरकंटक क्षेत्र का वैज्ञानिक परीक्षण किया। प्रतिवेदन में बताया गया है कि अनेक वृक्ष प्रत्यक्ष रूप से साल बोरर रोग की श्रेणी में नहीं आते हैं। फिर भी, संभावित संक्रमण को देखते हुए विभाग ने उच्च स्तरीय निगरानी बढ़ाने के आदेश दिए हैं। वन विभाग ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि साल वृक्षों की सुरक्षा के लिए सतत निरीक्षण, रोग की रोकथाम के लिए तकनीकी उपाय और प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण तत्काल किया जाए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि साल वन संपदा राज्य की महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी धरोहर है और इसके संरक्षण में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

जिले में स्थित मां नर्मदा की पवित्र उद्गम स्थली अमरकंटक इन दिनों एक बार फिर पर्यावरणीय संकट की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। घने वनों और हरियाली से आच्छादित यह क्षेत्र साल बोरर नामक कीट संक्रमण की चपेट में आने लगा है। उल्लेखनीय है कि अमरकंटक के वन क्षेत्र मे साल बोरर के प्रकोप से हजारों साल पुराने वृक्ष सूखकर गिरने की आशंका पर पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को समेत संत समाज ने भी गहरी चिंता जताई थी, जिसके बाद अनूपपुर वन मंडल ने इस संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजा था। प्रतिवेदन पर कार्रवाई करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने राज्य वन अनुसंधान संस्थान और भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थान, जबलपुर की संयुक्त वैज्ञानिक टीम को अमरकंटक क्षेत्र में जांच के लिए भेजा। अब वैज्ञानिकों की प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया गया कि यद्यपि कई वृक्ष सीधे साल बोरर संक्रमण की श्रेणी में नहीं आते, लेकिन संभावित खतरे को देखते हुए तत्काल सतर्कता और निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता है। इसी के मद्देनजर वन विभाग ने क्षेत्रीय अधिकारियों को सतत निरीक्षण, रोग की रोकथाम के तकनीकी उपाय अपनाने और प्रभावित इलाकों का विस्तृत सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि साल वृक्ष राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण पारिस्थितिक धरोहर हैं और इनके संरक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ऐसे आया जंगल पर संकट

दरअसल, साल बोरर कीट गुबरैला प्रजाति का एक अत्यंत विनाशकारी कीट है। बारिश शुरू होते ही यह जमीन से बाहर निकलता है और समागम करता है। मादा कीट एक सलाह के भीतर जीवित या मृत साल वृक्षों की छाल और तनों में बनी दरारों में अंडे देती है। कुछ ही दिनों में निकले लार्चा तने की लकड़ी को भीतर से खाते हुए केंद्र तक पहुँच जाते हैं। यह अवस्था गर्मियों तक जारी रहती है। इसके बाद यह नार्या तने में सुराख बनाकर वहीं प्यूपा बन जाते हैं और एक महीने बाद अपरिपक्व गुबरैले के रूप में विकसित होते हैं। मानसून के आगमन पर यह बाहर निकलते हैं. समागम करते हैं और नर कीट कुछ ही दिनों में मर जाता है. जबकि मादा कुछ सलाह और जीवित रहकर अंडे देती है। लगातार चलने वाली इस प्रक्रिया के कारण संक्रमित साल वृक्ष अंदर से खोखले हो जाते हैं और उनकी मृत्यु हो जाती है। यही कारण है कि बड़े पैमाने पर संक्रमण फैलते ही पूरे जंगल को भारी नुकसान पहुंच सकता है और इस संकट से बचने के लिए संक्रामित पेड़ों की समय रहते हटाना जरूरी हो जाता है।

वनों की रक्षा के लिए विशेष अभियान की जरूरत

अमरकंटक क्षेत्र में लाखों की संख्या में फैले साल वृक्ष इस क्षेत्र की हरियाली, प्राकृतिक सौंदर्य और जलवायु संतुलन के प्रमुख आधार हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि साल वृक्षों की पत्तियाँ वातावरण में नमी बनाए रखती हैं, मिट्टी को कटाव से बचाती हैं और वर्षा के जल को भूमि में समाहित कर भूजल स्तर को बढ़ाती हैं। यही कारण है कि अमरकंटक की जलवायु सामान्यतः शीतल और संतुलित रहती है। साल वृक्ष अमरकंटक से निकलने वाली नर्मदा, सोन और जोहिला नदियों के जलस्रोतों की जीवनरेखा भी हैं, क्योंकि इनके आधार पर ही क्षेत्र में नमी का संरक्षण होता है। यदि साल वृक्षों का व्यापक तौर पर क्षरण होता है, तो इसका सीधा असर मध्य भारत की जलप्रणाली पर पड़ेगा। करीब 18 से 20 वर्ष पूर्व भी अमरकंटक और उसके आसपास के क्षेत्रों में साल बोरर रोग का भीषण प्रकोप देखा गया था। उस समय वन विभाग को संक्रमण रोकने के लिए लाखों साल वृक्षों को काटना पड़ा था। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ गया, हवा में नमी कम हो गई और कई छोटे जलस्रोत सूखने लगे थे। अब एक बार फिर वही स्थिति बनती दिख रही है, जो चिंता पैदा करती है कि यदि समय पर रोकथाम के उपाय नहीं किए गए, तो हालात भयावह हो सकते हैं। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि साल बोरर के संक्रमण को रोकने के लिए त्वरित फ्यूमिगेशन, जैविक कीट नियंत्रण, सतत फील्ड मॉनिटरिंग और वैज्ञानिक तरीके से संक्रमित वृक्षों की पहचान व उन्हें हटाना बेहद जरूरी है। साथ ही इस प्रक्रिया के समानांतर नए पौधारोपण की वैज्ञानिक योजना पर भी तत्काल कार्य होना चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने भी जिला प्रशासन से अपील की है कि अमरकंटक के साल वनों की रक्षा के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि इस प्राकृतिक धरोहर को बचाया जा सके।

मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग में पेन डाउन हड़ताल

विभागीय ढांचे में 'बाहरी हस्तक्षेप' का विरोध

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश के जनसंपर्क विभाग में राज्य प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के एक अधिकारी की पदस्थापना को लेकर उपजे असंतोष ने सोमवार को राज्यभर में व्यापक रूप ले लिया। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस आदेश को "विभाग की गरिमा और पेशेवर संरचना के विरुद्ध" बताते हुए सुबह 11 बजे से अनिश्चितकालीन पेन डाउन हड़ताल की शुरुआत कर दी। अनूपपुर मे भी इसका असर देखा गया, यहां भी जनसंपर्क से कोई भी सरकारी खबर जारी नही हुई।

आयुक्त से भेंट के बाद उभरा निर्णय

सोमवार सुबह आयुक्त जनसंपर्क दीपक सक्सेना से प्रतिनिधिमंडल की भेंट के बाद, विभागीय कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया कि जब तक आरएएस अधिकारी श्री गणेश जायसवाल की जनसंपर्क विभाग में पदस्थापना संबंधी आदेश निरस्त नहीं किया जाता, तब तक सभी अधिकारी-कर्मचारी कलम बंद रखेंगे और नियमित कार्य बाधित रहेंगे। जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह विभाग अपनी विशिष्ट कार्यप्रणाली, लेखन-कौशल, मीडिया प्रबंधन, संचार रणनीति और रचनात्मक अभिव्यक्ति पर आधारित है, जिसे वर्षों से प्रशिक्षित जनसंपर्क कैडर के अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपनी मेहनत से आगे बढ़ाया है। उनके अनुसार "यह राजस्व अथवा प्रशासनिक प्रवृत्ति वाला विभाग नहीं, बल्कि राज्य सरकार और जनता के बीच संचार सेतु का संवेदनशील और रचनात्मक मंच है। इसमें बाहरी सेवाओं के हस्तक्षेप से कार्य-प्रवाह प्रभावित होता है और विभाग की विशेषज्ञता कमज़ोर पड़ती है।"

मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की अपेक्षा

जनसंपर्क विभाग के अधिकारी-कर्मचारी इस बात से भी क्षुब्ध हैं कि वे दिन-रात सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और जनहितकारी योजनाओं को जनता तक पहुँचाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं, परंतु विभाग में अनायास एवं अप्रासंगिक पदस्थापना से उनकी विशेषज्ञता और स्वायत्तता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो जाता है। अधिकारियों ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, जो स्वयं जनसंपर्क विभाग के मंत्री भी हैं, को इस मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए आदेश को वापस लेना चाहिए। उनका मत है कि विभाग की संवैधानिक और प्रशासनिक गरिमा बनाए रखने के लिए श्री गणेश जायसवाल की नियुक्ति संबंधी आदेश रद्द करना अत्यावश्यक है। हड़ताल के चलते समाचार-संकलन, प्रेस नोट, कार्यक्रम कवरेज, सरकारी विज्ञापन, योजनाओं के प्रचार-प्रसार और मीडिया संवाद जैसी गतिविधियाँ प्रभावित हो गई हैं। यदि यह स्थिति लंबी चली तो प्रदेश सरकार के जनसंपर्क संबंधी कार्यों पर व्यापक असर पड़ सकता है।

ग्रामीण प्रगति का नया आधार बना न्यू जोन पावर प्लांट प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

रक्सा कोलमी क्षेत्र में स्थापित होने जा रहा न्यू जोन पावर प्लांट प्रोजेक्ट अब केवल एक औद्योगिक संरचना भर नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण विकास, सामाजिक उत्थान और आर्थिक स्थिरता का नया अध्याय बनकर उभर रहा है। वर्षों से संसाधनों और अवसरों की कमी से जूझ रहे इस क्षेत्र में आज नई उम्मीदों, नई संभावनाओं और नई दिशा की शुरुआत हो चुकी है। परियोजना के आगमन ने न सिर्फ आर्थिक गतिविधियों को तेज किया है, बल्कि ग्रामीणों विशेषकर युवाओं में एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया है। परियोजना प्रबंधन के वाइस प्रेसिडेंट सुधाकर पाण्डेय और असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट सुशील कांत मिश्रा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस पावर प्लांट का उद्देश्य केवल ऊर्जा उत्पादन नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। इसी के अंतर्गत कंपनी ने स्थानीय युवाओं, सहकारी समितियों और ग्रामीण संस्थाओं को प्राथमिकता देने की नीति अपनाई है। निर्माण कार्यों, भवन निर्माण, मजदूर आपूर्ति, मशीनरी संचालन, सामग्री परिवहन, पानी की सप्लाई, हार्डवेयर व अन्य दैनिक सामग्रियों की उपलब्धता जैसे क्षेत्रों में स्थानीय जनशक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। इन कदमों से गाँव के युवा अब सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि उद्यमी और आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहे हैं। ठेकेदारी, सप्लाई कार्य और छोटे स्तर के औद्योगिक व्यवसायों की ओर बढ़ते कदम इस बात का प्रमाण हैं कि परियोजना आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बना रही है। रोजगार सृजन इस परियोजना का सबसे प्रभावी पहलू बन रहा है। रक्सा कोलमी, और आसपास के गांवों में रहने वाले युवाओं को अब घर के पास ही सुरक्षित,

सम्मानजनक और स्थायी रोजगार मिलने लगा है। कुशल एवं अकुशल श्रमिकों को प्राथमिकता, तकनीकी कार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण, मशीनरी संचालन और सुरक्षा सेवाओं के लिए स्थानीय युवाओं को तैयार किया जाना, ये सभी कार्यक्रम ग्रामीण समुदाय को पहले से कहीं अधिक सक्षम बना रहे हैं। वर्षों से महानगरों की ओर होने वाला पलायन थमने लगा है, और युवा अपने ही गाँव में भविष्य की मजबूत नींव देख पा रहे हैं। इससे परिवारों की आय बढ़ी है, सामाजिक सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है और ग्रामीणों का आत्मविश्वास पहले से कहीं अधिक बढ़ा है। पास के ही फुनगा बाजार गुलजार होने लगी स्थानीय व्यापारियों में रौनक बढ़ी है। परियोजना के अंतर्गत कंपनी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, खेल और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। ग्रामीणों को बेहतर विद्यालय, डिजिटल शिक्षा के साधन, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएँ, खेल मैदान, स्वच्छता और पेयजल सुधार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यावहारिक लाभ मिलने शुरू हो जाएँगे। यह पहल उन गाँवों को एक समग्र विकास मॉडल प्रदान करेगी जो दशकों से बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना कर रहे थे। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवाओं के लिए खेल और रोजगार, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य-सुरक्षा, और किसानों के लिए आर्थिक अवसरकृइस परियोजना का प्रभाव हर वर्ग पर सकारात्मक रूप से पड़ रहा है। छमू श्रवद च्वूमत च्सदंज च्तवरमबज प्रबंधन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि औद्योगिक विकास तभी सार्थक है जब उसके लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुँचें। रक्सा कोलमी क्षेत्र में आज जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह केवल आर्थिक गतिविधियों का परिणाम नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता, आत्मनिर्भरता, सम्मान और विश्वास पर आधारित विकास मॉडल की सफलता है। ग्रामीण अब इस परियोजना को सिर्फ एक पावर प्लांट नहीं, बल्कि अपने भविष्य की नई रोशनी के रूप में देख रहे हैं। एक ऐसी सुबह, जो आने वाली पीढ़ियों को भी समृद्धि, स्थिरता और अवसर प्रदान करेगी।

हार्ड संस्था का संकल्प, साल भर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त संभाग

हरिभूमि न्यूज शहडोल।

पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (हार्ड) संस्था ने कहा कि वह शहडोल संभाग को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, संस्था ने एक लक्षित रणनीति तय की है। जिसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेषध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके।

होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (हार्ड) देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़ेनेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के 27 नवंबर को एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवेलपमेंट (हार्ड) संस्था ने

स्कूलों, ग्रामीण समुदायों और अन्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम और पूरे जिले में जगह-जगह बाल विवाह के खिलाफ शपथ समारोह आयोजित किए। संगठन ने जनसमुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया और उन्हें समझाया कि कानून के अनुसार बाल विवाह में किसी भी तरह से शामिल होने या सहायता करने वालों जिसमें शादी में आए मेहमान, कैटरर्स, टेंट वाले, बैंड वाले, सजावट वाले या बाल विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित, सभी को इस अपराध को बढ़ावा देने के जुर्म में सजा हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों से कानून लागू करने वाली एजेंसियों व जिला प्रशासन के साथ करीबी समन्वय से काम करते हुये बाल विवाह रुकवाए हैं। बाल विवाह के खिलाफ जारी अभियान को और गति व मजबूती देने वाली सरकार की इस घोषणा का स्वागत करते हुए सुशील कुमार शर्मा ने कहा, "यह 100 दिवसीय गहन अभियान देश की दिशा बदलने वाला साबित होगा और हमें प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य के करीब लाएगा। सदियों से हमारी बेटियों को अवसरों से वंचित किया गया है और विवाह के नाम पर उन्हें अत्याचार, शोषण और बलात्कार की ओर धकेला गया है। जन प्रतिनिधियों, सरकारी विभागों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समुदायों का अभूतपूर्व तरीके से एक साथ आना, बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता और प्रयासों को नई ऊर्जा व रफ्तार देगा। इस समन्वय और सामूहिक संकल्प से हम जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रति आश्वस्त हैं और अब इस अपराध को छिपने के लिए कहीं भी जगह नहीं मिलेगी। सौ दिन के इस गहन जागरूकता अभियान को तीन चरणों में बांटा गया है और इसका आखिरी चरण 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर समाप्त होगा। इसका पहला चरण 31 दिसंबर तक चलेगा जिसमें स्कूलों, कालेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में जागरूकता के प्रसार पर जोर रहेगा। एक जनवरी से 31 जनवरी के बीच दूसरे चरण में मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे जैसे धार्मिक स्थलों पर जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं। बैंक्वेट हाल, और बैंड वालों जैसे विवाह में सेवाएं देने वालों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तीसरा और आखिरी चरण 8 मार्च तक चलेगा। इसमें बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों, नगरपालिका के वार्डों और समुदाय स्तरीय भागीदारी पर प्रमुखता से ध्यान दिया जाएगा।

हत्यारे पति को न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि अभियुक्त समय लाल बैगा पिता स्व. बडखू बैगा उम्र 50 वर्ष निवासी धनपुरी थाना कोतवाली अनूपपुर जिला अनूपपुर के द्वारा दिनांक 21 सितंबर 2023 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे की बीच अपनी पत्नी लेखनबाई को लडाई झगडा एंव कलह की वजह से घर पर रखे टंगिया से जानबूझ कर मार डाला। घटना के संबंध में दिनांक 22 सितंबर 2023 को मृतिका के पिता समनु बैगा ने थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट लिखवाई। उक्त अपराध के संबंध में थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 453/2023 धारा 302 आईपीसी पंजीकृत किया गया और विवेचना करते हुये आरेपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के मेमोरेण्डम कथन उपरांत घटना में प्रयुक्त टंगिया एवं मानव रक्त वाला टी शर्ट को पुलिस ने जप्त कर राज्य न्यायिक विज्ञान प्रयोग शाला सागर भेजा गया। मामले में पुलिस की ओर से न्यायालय में संपूर्ण विवेचना के उपरांत अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल कें न्यायालय ने सुनवाई की गयी जिसमें शासन की ओर से लेक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने 24 साक्षियों के साक्ष्य कराये और 42 दस्तावेजों को परीक्षत कराया गया। साक्ष्य उपरांत शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस तथा मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए हत्या के आरोपी समय लाल बैगा को भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 302 में दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया गया, जिसमें आरोपी को आजीवन कारावास एवं 5 हजार रुपया जुर्माना से दंडित किया गया।

नाम परिवर्तन (सार्वजनिक सूचना)

मैं, सुनीता गुप्ता, पति रामचंद गुप्ता, निवासी आदर्शमार्ग अनूपपुर, यह घोषणा करती हूं कि मेरे वर्तमान पासपोर्ट मे मेरा नाम सुनीता गुप्ता दर्ज है। किंतु मेरे आधार कार्ड तथा पैन कार्ड में नाम सुनीता केशरवानी दर्ज है। जबकि पहले मेरे नाम सुनीता गुप्ता था जो कि शादी होने के पश्चात मेरा नाम सुनीता केशरवानी हो गया है आज दिनांक से मुझे सुनीता केशरवानी नाम से ही जाना एवं पहचाना जाये

76AA 660601

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै राजकुमारी तिवारी पत्नि राधिका प्रसाद तिवारी निवासी पुरानी वस्ती वार्ड नं. 10 अनूपपुर जिला अनूपपुर म.प्र. की पुस्तैनी निवासी है। मेरा पुत्र गगन कुमार तिवारी पिता राधिका प्रसाद तिवारी उम्र 28 वर्ष वर्ष 2015 से घर से लापता है। इससे परिवार के किसी भी सदस्य, माता, पिता, भाई बहन आदि सगे सम्बन्धियो से कोई सम्पर्क नही है। वह पिछले वर्षो से कहाँ है, क्या करता है कि कोई जानकारी परिजनो को नही है। गगन कुमार तिवारी पिता राधिका प्रसाद तिवारी के द्वारा किये गये अच्छे व बुरे कार्यो से परिवार व सगे सम्बन्धियो से भी प्रकार का कोई वास्ता नही है। इसके द्वारा किये जाने वाले कार्यो का वह स्वय जिम्मेदार है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इसके द्वारा किये गये किसी भी प्रकार का कार्य व सम्व्यवहार के सम्बन्ध मे परिजनो को कोई भी जिम्मेदारी नही होगी।

भवदीय - राजकुमारी तिवारी
पति राधिका प्रसाद तिवारी
वार्ड-10 पुरानी वस्ती अनूपपुर जि. अनूपपुर म.प्र.